अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–10 अंक–275 | R.N.I.- UPHIN/2012/45127 | लखनऊ गुरुवार 3 फरवरी 2022 | पृष्ठ – 4 | मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

लूट की फर्जी सूचना देने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। थाना गंगाघाट, जनपद उन्नाव पुलिस अधीक्षक महोदय के कुशल निर्देशन एंव अपर पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना गंगाघाट पुलिस द्वारा 10 लाख रुपये की लूट की फर्जी सूचना देकर शांति व्यवस्था भंग करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर अखिल भारतीय प्रधान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र चौधरी की अगुवाई में चल रहे विधान परिषद चुनाव में संगठन की सहभागिता सुनिश्चित कर अपने हक हासिल करने हेतु सदन तक अपनी आवाज बुलंद करने के लिए सभी प्रधानों ने एकजुट होकर चुनाव में अपने प्रत्याशी उतारने का निर्णय लिया है यह उद्गार संगठन के प्रदेश सचिव शिव प्रकाश सिंह ने जनसंपर्क के दौरान एक बैठक में व्यक्त किए उन्होंने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के विकास हेतु चुने गए प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य जिला पंचायत सदस्य और सभासद सीधे जनता के द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि होते हैं किंतु शासन और प्रशासन उनकी कोई बात इसलिए नहीं सुनता क्योंकि वह जानते हैं कि इनकी बात सदन तक नहीं पहुंचती और दूसरी तरफ हम सब की आवाज को सदन तक पहुंचाने के लिए चुने गए जनप्रतिनिधि भी पद मिलते ही हमें भूल जाते हैं अखिल भारतीय प्रधान संगठन के प्रदेश सचिव एवं शाहजहांपुर मैनपुरी श्रावस्ती जनपदों के प्रभारी बनाए गए शिव प्रकाश सिंह ने बताया कि कई जनपदों से नामांकन हेतु अब तक 50 से अधिक आवेदन प्रदेश कार्यालय पहुंच गए हैं हम सभी को एकजुट होकर अपने हकों को हासिल करने के लिए संगठन के समर्थन से चुने हुए प्रतिनिधियों की मदद कर सदन को मजबूत करना है तभी हमें हमारे हक मिल पाएंगे और हम लोग वास्तविक धरातल पर जनता की सेवा करने में सक्षम होंगे। इस अवसर पर मंडल प्रभारी अजय मिश्रा मंडल अध्यक्ष राजकुमार द्विवेदी अवध क्षेत्र सचिव धनंजय अवस्थी जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह मंडल उपाध्यक्ष रमानिकेत सिंह उपस्थित रहे।

कोविड के बाद नई विश्व व्यवस्था की संभावना, भारतीय अर्थव्यवस्था में निरंतर विस्तार जारी : मोदी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जैसे पूरी दुनिया बदल गई थी, उसी प्रकार कोरोना महामारी के बाद भी दुनिया में बहुत सारे बदलाव की संभावना है और एक नई विश्व व्यवस्था तैयार होगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से वर्ष 2022–23 के आम बजट पर आयोजित कार्यक्रम ''आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था'' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि कोरोना का यह कालखंड पूरी दुनिया के लिए एक प्रकार से क्रांतिकारी परिवर्तन है। उन्होंने कहा, ''आगे जो दुनिया हम देखने वाले हैं, वह वैसी नहीं होगी जैसी कोरोना काल से पहले थी। जैसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पूरी दुनिया बदल गई, वैसे ही कोरोना के बाद दुनिया में बहुत सारे बदलाव की संभावना है। एक नए वर्ल्ड ऑर्डर की संभावना है। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले सात वर्षों में सरकार ने जो निर्णय लिए और जो नीतियां बनाईं तथा पहले की जिन नीतियों में सुधार किए, उसकी वजह से आज भारत की अर्थव्यवस्था का निरंतर विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा, ''सात–आठ साल पहले भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपए था। आज भारत की अर्थव्यवस्था 2 लाख 30 हजार करोड़ के आसपास की है।''उन्होंने कहा कि यह समय

भारत के लिए नए सिरे से तैयारी का, नए अवसरों का और नए संकल्पों की सिद्धि का है। उन्होंने कहा, ''बहुत जरूरी है कि भारत आत्मनिर्भर बने और उस आत्मनिर्भर भारत की नींव पर एक आधुनिक भारत का निर्माण हो।'' बजट घोषणा के विभिन्न प्रावधानों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों से आज देश में करीब–करीब 9 करोड़ ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचने लगा है और इसमें से करीब 5 करोड़ से ज्यादा पानी के कनेक्शन, जल जीवन मिशन के तहत पिछले 2 वर्ष में दिए गए हैं। उन्होंने कहा, ''अब बजट में घोषणा की गई है कि इस साल करीब 4 करोड़ ग्रामीण घरों को पाइप से पानी का कनेक्शन दिया जाएगा। इस पर 60 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए जाएंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि जब गरीब को मूलभूत सुविधाएं मिलती हैं तो वह अपनी ऊर्जा को, अपने विकास, देश के विकास में लगाता है। उन्होंने कहा, ''इस बजट का भी फोकस गरीब, मध्यम वर्ग और युवाओं को बुनियादी सुविधाएं देने और आय के स्थाई समाधानों से जोड़ने पर है। प्रधानमंत्री ने केन–बेतवा नदी जोड़ योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस बार के बजट में इसके लिए हजारों करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और इससे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर भी बदलने वाली है। उन्होंने कहा, ''अब बुंदेलखंड के खेतों में और हरियाली आएगी, घरों में पर्याप्त पीने का पानी आएगा, कृषि के लिए खेतों में पानी आएगा।''

धारा 370 हटाने पर अखिलेश ने मेरे सामने कहा था कि खून की नदियां बहेंगी : अमित शाह

अलीगढ़ (उप्र) (वेब वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने बुधवार को विपक्षी दलों खासतौर से समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर धारा 370 हटाये जाने का विरोध करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यादव ने कहा था कि खून की नदियां बहेंगी। शाह ने कहा कि लेकिन किसी में एक कंकड़ चलाने की भी हिम्मत नहीं हुई। अलीगढ़ के अतरौली विधानसभा क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत कल् याण सिंह के पौत्र, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री व भाजपा उम्मीदवार संदीप सिंह के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने यह बात कही।अपने संबोधन में शाह ने कहा,'' आपने दोबारा प्रधानमंत्री बनाया तो नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर से धारा 370 को हटा दिया। ये (विपक्षी) लोग विरोध करते थे, अखिलेश विरोध करते थे, उनमें (अखिलेश) अतरौली आने की हिम्मत नहीं। उन्होंने मेरे सामने कहा था कि 'खून की नदियां बहेंगी'। अरे, अखिलेश बाबू खून की नदियां छोड़ो, कंकड़ चलाने की भी किसी की हिम्मत नहीं हुई, नरेंद्र मोदी ने देश को सुरक्षित करने का काम किया।'' भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने सपा, बसपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा ''ये लोग पारदर्शिता से शासन नहीं कर सकते, भ्रष्टाचार मुक्त शासन नहीं दे सकते, भ्रष्टाचार मुक्त शासन केवल और केवल नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ही दे सकती है।'' अमित शाह ने कहा कि 2014, 2017 और 2019 का चुनाव उत्तर प्रदेश की किस्मत बदलने का चुनाव रहा है और सपा और बसपा की जातिवादी सरकारें कभी राज्य का भला नहीं कर पाएंगी। शाह ने मतदाताओं को आगाह किया कि अगर राज्य में माफियाओं का राज आया तो प्रधानमंत्री मोदी अलीगढ़ में जो 'डिफेंस कॉरिडोर' लेकर आए हैं, जिसमें करोड़ों का निवेश होना है, वहां कोई निवेश करने नहीं आएगा। उल्लेखनीय है कि पहले चरण में दस फरवरी को अतरौली में मतदान होना है और इस क्षेत्र का कई बार कल्याण सिंह प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। शाह ने कल्याण सिंह के साथ अपने रिश् तों की याद करते हुए कहा,'' 2013 में मुझे उप्र का प्रभारी बनाकर भेजा गया, तब लखनऊ, बनारस के अलावा कहीं गया नहीं था, इतना बड़ा प्रदेश, 80 सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ाने की जिम्मेदारी थी, तब तितर–बितर संगठन था और मैं बहुत पशोपेश में था कि क् या होगा, कैसे करेंगे मगर मैंने बाबूजी (कल्याण सिंह) से समय मांगा तो उन्होंने समय दिया, घर पर भोजन के लिए बुलाया और पिता की तरह उन्होंने उंगली पकड़कर उत्तर प्रदेश की राजनीति का पाठ सिखाया और उन्हीं की नींव पर आज तीन सरकारें बनीं।' कल् याण सिंह के पौत्र को भारी बहुमत से चुनाव जिताने की अपील के साथ ही ब्रज भूमि की जनता से निवेदन करते हुए शाह ने कहा,''आपने 2014 में मोदी को प्रधानमंत्री बनाया, 2017 में भाजपा की सरकार बनाई, 2019 में फिर से मोदी को प्रधानमंत्री बनाया और अब 2022 में हमारे सफल मुख् यमंत्री योगी आदित् यनाथ को एक बार फिर से मुख्यमंत्री बनाने का काम करें।''

उप्र में तेजी से घट रहा कोरोना का ऐक्टिव केस: योगी

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश का प्रत्येक नागरिक कोविड टीके की पहली डोज ले चुका है। सरकार ने दूसरी डोज में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कोविड प्रबंधन के लिए यहां टीम–09 की बैठक के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने शत प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। आज प्रदेश में 18 वर्ष से अधिक उम्र का हर नागरिक कोविड टीके की पहली खुराक का कवच प्राप्त कर चुका है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। सभी स्वास्थ्यकर्मी, निगरानी समिति के सदस्य, जिला प्रशासन के अधिकारी और वह सभी जिन्होंने स्वेच्छा से अपना टीकाकरण कराया, बधाई के पात्र हैं। सभी का अभिनंदन। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक 26 करोड़ 32 लाख से अधिक कोविड टीके का सुरक्षा कवच नागरिकों को प्रदान किया जा चुका है। 70 फीसदी से अधिक वयस्क टीके की दोनों डोज ले चुके हैं। विगत दिवस तक 15–17 आयु वर्ग के लगभग 70 प्रतिशत किशोरों ने टीका कवर प्राप्त कर लिया है। 28 फरवरी तक के लक्ष्य के सापेक्ष पात्र 64.08 प्रतिशत से अधिक लोगों को प्रीकॉशन डोज भी मिल चुकी है। अब किशोर वर्ग को टीके की दूसरी डोज देने का समय भी आ गया है। जरूरत है कि प्रदेश में और भी तेजी से टीका लगाया जाए। प्रदेश में कोविड की तीसरी लहर नियंत्रण में है। औसतन दो लाख से ढाई लाख टेस्ट हर दिन किए जा रहे हैं। पॉजिटिविटी दर में लगातार

गिरावट देखने को मिल रही है। 17 जनवरी के एक लाख से अधिक एक्टिव केस के सापेक्ष आज 15 दिनों में 50 प्रतिशत गिरावट हो चुकी है। वर्तमान में 41 हजार 795 एक्टिव केस हैं। स्पष्ट है कि बहुत कम संख्या में लोगों को अस्पताल की जरूरत पड़ रही है। यह संक्रमण वायरल फीवर की तरह है। अतः इससे डरने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन सभी एहतियात अवश्य बरते जाएं। पिछले 24 घंटों में दो लाख 30 हजार 856 कोरोना टेस्ट किए गए। उसमें 5, 052 नए कोरोना पॉजिविट पाए गए। इसी अवधि में 10 हजार 398 लोग उपचारित होकर कोरोना मुक्त भी हुए। यह अच्छे संकेत हैं। कोरोना की हार तय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवरात्रि पर वाराणसी में लोग उत्साह और उमंग के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए पहुचेंगे। ऐसे में जिला प्रशासन सभी की सुरक्षा–सुविधा का पूरा ध्यान रखे। महाशिवरात्रि को लेकर जिला प्रशासन समय से सभी तैयारियां पूरी कर ले। सीएम हेल्पलाइन के जरिए अस्पताल में उपचाराधीन कोविड पॉजिटिव लोगों के परिजनों से नियमित अंतराल पर संवाद किया जाए। होम आइसोलेशन में स्वास्थ्य लाभ ले रहे लोगों से संवाद कर उन्हें मेडिकल परामर्श, दवाएं आदि मुहैया कराई जाए।

सीएमओ की अगुवाई में अधिकारियों ने कोविड टीकाकरण सत्रों का लिया जायजा

अवध की आवाज

लखनऊ। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज अग्रवाल की अगुवाई में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को जनपद के शहरी एवं ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) पर चल रहे कोविड टीकाकरण सत्रों का जायजा लिया। इसके साथ ही क्षेत्रों में घर – घर जाकर लोगों को कोविड टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मनोज अग्रवाल और उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. के.डी.मिश्रा ने बक्शी का तालाब और इटौंजा सीएचसी सहित विभिन्न गाँवों, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. आर.वी. सिंह ने नवल किशोर रोड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र(सीएचसी), अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. आर.के. चौधरी ने माल और गुडम्बा सीएचसी, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.पी. सिंह ने सीएचसी सिल्वर जुबली, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मिलिंद वर्धन और जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी ने चंदन नगर सीएचसी तथा उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रवि पांडे ने सीएचसी गोसाईंगंज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने टीकाकरण से छूटे लोगों को टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा – कोरोना का टीका गर्भवती सहित 15 वर्ष से आयु के ऊपर के सभी लोगों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। कोरोना से लड़ाई में यही मुख्य हथियार है, साथ ही कोविड प्रोटोकॉल का पालन कर हम कोरोना से बच सकते हैं। अभी 15 साल से छोटे बच्चों की कोविड की वैक्सीन नहीं आयी है। इसलिए परिवार में 15 साल से ऊपर के सभी सदस्य कोविड का टीका अवश्य लगवाएं इससे वह स्वयं तो सुरक्षित होंगे ही साथ ही घर के छोटे बच्चे भी सुरक्षित रहेंगे। क्योंकि टीका लगने के बाद में अगर कोरोना हो भी जाता है तो इसकी तीव्रता बहुत नहीं होती है और अन्य लोगों के संक्रमित होने की संभावना भी नहीं होती है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा– जनपद में 15 साल से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों का कोविड टीकाकरण करना हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। जिले में 1 फरवरी तक 73,01,962 कोविड टीके की डोज लगाई जा चुकी है। इसमें 15–18 साल तथा 18 साल से अधिक आयु के 41,20,971 लोगों को कोविड टीके की पहली डोज लग चुकी है। 31,03,640 लोग टीके की दूसरी डोज से भी आच्छादित हो चुके हैं। सभी अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि टीका लगवाने के बाद लापरवाही न बरतें व कोविड टीकाकरण के बाद भी हमें मास्क लगाए रखना है, बार–बार हाथों को धुलते रहना है और दो गज की शारीरिक दूरी का पालन करना है व साथ ही बेवज घर से बाहर न निकलें और भीड़–भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें।

आज कानपुर महानगर नारामऊ मंडल अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा जमाल अहमद को अवध की आवाज गंगा घाट उन्नाव अपराध संवाददाता विकास श्रीवास्तव ने शिष्टाचार मुलाकात की और पत्रकार सुरक्षा महासमिति का कैलेंडर भेंट किया

लखनऊ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने सीजी सिटी, बने प्रधानमंत्री आवासों का किया निरीक्षण

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के अध्यक्षध्मंडलायुक्त रंजन कुमार और उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने बुधवार को शारदा नगर विस्तार में निर्मित प्रधानमंत्री आवासों, सीजी सिटी व रायबरेली रोड स्थित झील का निरीक्षण कर विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से सम्बंधित योजनाओं का ब्योरा तलब किया और अवशेष कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि सर्वप्रथम सीजी सिटी स्थित सीएसआई टावर व संस्कृति स्कूल का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में सीएसआई टावर में 4160 वर्ग फुट में निर्मित मॉडल फ्लैट का मुआयना किया गया। अधिकारियों द्वारा यह अवगत कराया गया कि इसकी 94 करोड़ 20 लाख रुपये की संशोधित डीपीआर शासन को प्रेषित की गई है। इसी तरह संस्कृति स्कूल के लिए 99 करोड़ रुपये की संशोधित डीपीआर शासन को भेजी गई है। जिसकी ईएफसी होने के बाद धनराशि अवमुक्त होने के छह महीने में कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इस पर उपाध्यक्ष द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन से संशोधित डीपीआर की मंजूरी लेकर जल्द से जल्द काम शुरू कराने का प्रयास किया जाए। मुख्य अभियंता इन्दुशेखर सिंह ने बताया कि यहां निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा परियोजनाओं में किए गए कार्यों की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया गया। इसके बाद अध्यक्ष रंजन कुमार और उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा शारदा नगर विस्तार योजना में निर्मित प्रधानमंत्री आवासों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान वहां उपस्थित अभियंताओं द्वारा बताया गया कि 47 ब्लॉकों के अंतर्गत 2256 आवास बनाए गए हैं। जिसमें से 'बी' और 'सी' पॉकेट के 1248 भवन विकास कार्यों के साथ पूर्ण किए जा चुके हैं। उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने बताया कि शेष 1008 मकानों को 20 फरवरी तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद अध्यक्ष रंजन कुमार और उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने रायबरेली रोड पर स्थित उदृयन झील का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान झील को ले जाने वाले चौनल में साफ–सफाई एवं स्टोन पिचिंग समेत अन्य कार्य संचालित पाये गए। इस पर उपाध्यक्ष ने टाइम लाइन निर्धारित करते हुए अवशेष कार्यों को उसी समय अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य अभियंता इन्दुशेखर सिंह, अधिशासी अभियंता नवनीत कुमार शर्मा, अवनीन्द्र कुमार सिंह, सहायक अभियंता आलोक कुमार और आरके वर्मा समेत अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ने कानपुर महानगर सीसामऊ विधानसभा बैठक में दिया जीत का मंत्र

अवध की आवाज

कानपुर महानगर। सीसामऊ विधानसभा के , भारतीय जनता पार्टी सदस्य विधान परिषद विजय बहादुर पाठक ने विचार परिवार और

चुन्नीगंज मण्डल, ग्वालटोली वार्ड – 4 में प्रदेश उपाध्यक्ष व्यापारी वर्ग के लोगों के साथ बैठक की और सीसामऊ विधानसभा प्रत्याशी सलिल विश्नोई के पक्ष में व्यापारियों से वोट करने को अपील की। उन्होंने कहा 25 साल से यह सीट भाजपा के पास नहीं है और उसे जीतने का मंत्र दिया। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित राजा शुक्ला बनवारी लाल तिवारी अजय शर्मा कपिल गुप्ता करण यादव राजा यादव आशु टंडन राजू शर्मा अनुराग अवस्थी विनय सिंह आशीष कुमार रफी अहमद सिद्धार्थ यादव पुष्पांक यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

आज कानपुर महानगर में कल्याणपुर विधानसभा नवाबगंज में भाजपा विधायक पद की उम्मीदवार नीलिमा कटियार को पुनः विजय बनाने के लिए जनसंपर्क किया गया जनसंपर्क में व्यापारियों और क्षेत्र की जनता द्वारा भाजपा प्रत्याशी नीलिमा कटिहार को वोट देने का आग्रह किया गया।जनसंपर्क के दौरान पूर्व मार्षद देव किशोर शुक्ला (अक्कू भाई जी) संजीव कुमार मिश्रा, राजेश साहू आशीष शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे। अवध की आवाज नवाबगंज कानपुर संवाददाता निहाल अहमद की रिपोर्ट

सम्पादकीय

गाय : धर्म के नाम पर अधर्म का व्यवसाय ?

गौपालन को हमारे देश में शताब्दियों से 'गौधन ' अथवा 'पशुधन ' के रूप में देखा जाता रहा है। खेती किसानी करने वालों के लिये तो गौपालन कृषि के सहयोगी व्यवसाय का एक प्रमुख हिस्सा माना जाता था। परन्तु खेती बाड़ी में भी आधुनिक व उन्नत कृषि साधनों के बढ़ते प्रयोग के चलते धीरे धीरे गाय–बैलों का इस्तेमाल कम होता गया। हल–बैल की जगह ट्रैक्टर्स ने ले ली, बैलगाड़ी की जगह ट्रैक्टर ट्रॉलियां चलने लगीं,तो जाहिर है गोवंश के महत्व व उसकी उपयोगिता में कमी आ गयी। परन्तु इसी के साथ साथ गोवंश का हिन्दू धर्म में धार्मिक महत्व होने के चलते यहाँ तक कि हिन्दू धर्म में गाय को 'माता ' के रूप में स्वीकार किये जाने के चलते इसके प्रति आम हिन्दुओं की धार्मिक भावनायें भी जुड़ी हुई हैं । और भावनाओं की राजनीति करने में देश की सबसे माहिर भारतीय जनता पार्टी इस तरह के मुद्दों को न केवल भुनाती आई है बल्कि गौवंश की सुरक्षा के नाम पर अपने विपक्षियों पर भी हमलावर होती रही है।

परिणाम स्वरूप जिस तरह पिछले दिनों भोपाल के निकट बैरसिया तहसील में कथित रूप से एक भाजपा नेत्री की गोशाला में व इसके इर्द गिर्द के खुले मैदान एवं खेतों में सैकड़ों गायों के सड़ते हुये शव व गोवंश के कंकाल पाये गये हैं इसी तरह की अनेकानेक घटनायें भाजपा व सत्ता के संरक्षण में चलने वाली अनेक गौशालाओं में पहले भी हो चुकी हैं।सत्ता संरक्षण में चलने वाली इन गौशालाओं में पाई जाने वाली अनियमितता,भ्रष्टाचार व क्रूरता के बावजूद सरकार पर ऐसे गौशाला संचालकों को बचाने व इनका सहयोगी बनने का भी आरोप लगता रहा है। इसका केवल एक ही कारण है कि गौमाता का बखान करने व इसे गौमाता के रूप में आम लोगों की भावनाओं से जोड़ने वाली भाजपा व इसकी सरकारों में गौवंश संरक्षण के लिये न तो कोई स्पष्ट नीति है न ही नीयत। देश के अधिकांश राज्यों विशेषकर उत्तर भारत के राज्यों में किसान छुट्टा व बेलगाम घूमने वाले इन पशुओं से कितना परेशान हैं यह वही जानते हैं। एक तरफ तो घाटे की खेती बाड़ी करता किसान,बीज,बिजली,तेल, खाद आदि की आसमान छूती कीमतों के बावजूद केवल खेती की परंपरा निभाता छोटा व मध्यम किसान अपनी फसल को इन बेलगाम छुट्टा पशुओं से बचाने के लिये दिन–रात कैसे अपनी फसल की रखवाली करता है यह उस राजनैतिक वर्ग को नहीं पता जो गाय के नाम का प्रयोग केवल हिन्दू समाज के लोगों की भावनाओं को भड़काने के लिये करते हैं। छुट्टा गौवंश से जो किसान दुखी हैं या जिनकी तैयार फसलें ये पशु चर जाते हैं वे भी तो अधिकांशतः हिन्दू ही हैं? वे भी तो गाय को माता ही मानते हैं ?

सरकार की गौवंश के प्रति अदूरदर्शी नीतियों का ही परिणाम है कि आज प्रतिदिन पूरे देश में सैकड़ों दुर्घटनायें इन्हीं छुट्टे जानवरों के कारण हो रही हैं। कई बार भीड़ भरे चौराहों व सड़कों पर सांडों का संघर्ष होते व इसके कारण कारों व अन्य वाहनों को दुर्घटनाग्रस्त होते व टूटते देखा गया है। सड़कों व चौराहों के बीचोबीच बैठना इन जानवरों की फितरत है जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता है। कई राज्यों में सरकार ने बिजली के मीटर घरों के बाहर और अधिकांशतयः बिजली के खंबों पर ही लगवा दिये हैं। प्रायः गोवंश इन बिजली मीटरों से अपनी सींग व सिर रगड़ते दिखाई देते हैं। नतीजतन बिजली के मीटर तो क्षतिग्रस्त होते ही हैं साथ साथ इन पशुओं को करेंट लगने का खतरा भी बना रहता है।परन्तु तथाकथित गौवंश प्रेमियों की नजर इस जमीनी हकीकत की ओर कभी नहीं जाती। देश और राज्यों की राजधानियों में बैठ कर गाय के प्रति प्रेम दर्शाने वालों को उन करोड़ों किसानों से इस समस्या को लेकर भुक्तभोगी देशवासियों से भी तो संवाद स्थापित करना चाहिये।

वैसे भी केंद्र सरकार का गोवंश प्रेम उस समय और भी हास्यास्पद प्रतीत होता है जब गौमाता के संरक्षण का दावा करने वाली इसी सरकार के गश्ह राज्य मंत्री किरण रिजुजू गौ भक्षण की पैरवी करते हों और स्वयं भी गौमांस खाने की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हों। गौर तलब है कि जब केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास ने संभवतः अपने आकाओं को खुश करने के लिये अपने एक बयान में यह कहा था कि–' अगर कुछ लोग बीफ खाने के लिए मरे जा रहे हैं तो यहां (भारत में) उन्हें यह नहीं मिलेगा। वे पाकिस्तान, किसी अरब देश या दुनिया के अन्य किसी भी हिस्से में जाकर बीफ खा सकते हैं।' नकवी के इसी 'निर्देश ' का जवाब इसी मंत्रिमंडल के गश्ह राज्य मंत्री किरण रिजुजू ने इन शब्दों में दिया था कि – 'मैं गोमांस खाता हूं, क्या कोई मुझे ऐसा करने से रोक सकता है' । गश्ह राज्य मंत्री ने उसी समय यह भी कहा था कि –'हमें एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में सभी लोगों की संस्कृति, परंपराओं, आदतों और भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। इस मुद्दे को लेकर ज्यादा संवेदनशील होने की जरूरत नहीं है। हमारा देश लोकतांत्रिक है, कभी–कभार कुछ लोग ऐसे बयान देते हैं, जो स्वीकार्य नहीं' । नकवी को दिये गये किरण रिजुजूके इस जवाब से तो यह स्पष्ट हो ही जाता है कि राष्ट्रीय गौनीति को लेकर ही सरकार में मतभेद स्पष्ट है।

पिछले दिनों दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध दिल्ली के प्रसिद्ध व प्रतिष्ठित हंसराज कॉलेज के सैकड़ों छात्रों द्वारा केंद्र सरकार की नीतियों के विरुद्ध इसलिये प्रदर्शन किया गया क्योंकि सरकार हंसराज कॉलेज में महिला छात्रवास हेतु चिन्हित किये गये स्थान पर गौशाला व गौ अनुसन्धान केंद्र खोलने की योजना बना रही है। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि सरकार की प्राथमिकता छात्राओं के लिये छात्रावास होना चाहिये न कि विश्वविद्यालय परिसर में गौशाला व गौ अनुसन्धान। परन्तु सरकार की योजनाओं में गौशाला व गौ अनुसन्धान केंद्र व साथ साथ गऊ से प्राप्त सामग्री से हवन–पूजा आदि करने जैसे प्रावधान भी शामिल हैं। सरकार द्वारा गौवंश प्रेम का ढिंढोरा पीटना और साथ ही इसे लेकर दोहरी नीति अपनाना साथ साथ गाय के नाम पर लोगों की भावनाओं को भड़काकर उसका राजनैतिक लाभ उठाना और गोशाला व गौपालन के नाम पर राष्ट्रव्यापी लूट करने वालों को कथित रूप संरक्षण देना इस नतीजे पर पहुँचने के लिये काफी है कि यह सब धर्म के नाम पर हो रहा अधर्म का व्यवसाय मात्र ही है ?

राष्ट्रीय उत्सव के नए आयाम

–डॉ. दिलीप अग्निहोत्री–

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय पर्वों पर औपचारिकता के निर्वाह तक सीमित नहीं रहते। राष्ट्रीय चेतना से जनमानस को जोड़ते हैं। देश के सुदूर क्षेत्रों तक इस भावना का विस्तार करते हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह का एक हफ्ते तक विस्तार किया गया। इसमें राष्ट्र नायकों के स्मरण के अवसर समाहित किया गए। इसके पहले नरेंद्र मोदी ने आजादी का अमश्त महोत्सव प्रारंभ किया था। इसे अनेक स्तरों के समारोहों से सजाया गया। राष्ट्रीय राजधानी से लेकर गांवों व जनजातीय इलाकों तक इसका प्रकाश पहुंचाया गया। इसमें राष्ट्रभाव के अनेक उपेक्षित प्रसंग उजागर हुए।

इसके पहले नरेन्द्र मोदी पद्म सम्मानों को भी सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचा चुके थे। देश में गुमनामी में रहते हुए भी अनेक लोग विलक्षण कार्य करते हैं। नरेन्द्र मोदी सरकार 'जहां ना पहुंचे रवि' कहावत के अनुरूप उन लोगों तक पहुंच गई। उनको पद्म सम्मान मिलने लगे। इसबार मन की बात में नरेंद्र मोदी ने ऐसे लोगों का उल्लेख किया। देश के सुदूर क्षेत्रों में अनेक लोग समाज सेवा के विलक्षण कार्य करते रहे हैं। कुछ वर्ष पहले तक सरकारों का ध्यान उनकी तरफ जाता नहीं था। नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनते समय अपनी सरकार को गरीबों के प्रति समर्पित बताया था। अनेक सामाजिक, आर्थिक व लोक कल्याण के विषयों जैसे विचार पर अमल किया जा रहा है। इतना ही नहीं पिछले कुछ वर्षों से पद्म सम्मानों में भी यह परिलक्षित है। राष्ट्रपति भवन में पद्म सम्मान ग्रहण करने वाले वनवासी, ग्रामीण व अन्य निर्धन वर्ग के लोग भी मुख्यधारा में दिखाई देने लगे हैं। मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पद्म पुरस्कारों में नया अध्याय जुड़ा है। इसमें गुमनाम समाजसेवकों, कलाकारों को भी शामिल किया गया। इस प्रकार यह प्रतिष्ठित पुरस्कार गांव ही नहीं वनवासी क्षेत्रों तक पहुंच गया है। इस संबध में पिछले कुछ वर्षों की पद्म पुरस्कार सूची देखना दिलचस्प है।

अब पद्म सम्मान समारोह में अद्भुत दृश्य दिखाई देते हैं। अक्सर चित्र भी अपने में बहुत कुछ कह जाते हैं। जब कोई गरीब महिला राष्ट्रपति के सिर पर आशीर्वाद का हाथ रखती है, जब ऐसे ही किसी अन्य सम्मानित व्यक्ति से प्रधानमंत्री हाथ जोड़ बतियाते हैं। कुछ वर्ष पहले तक ऐसी कल्पना भी मुश्किल थी। अब परंपरा का रूप ले चुकी है। प्रतिवर्ष पद्म सम्मान वितरण के समय ऐसा ही दृश्य रहता है। ऐसा ही चित्र प्रयागराज कुंभ में देखने को मिला था, जिसमें प्रधानमंत्री सफाईकर्मियों के पैर धो रहे हैं। काशी में वह सफाई व अन्य कर्मियों पर पुष्प वर्षा करते हैं।

देश के विभिन्न इलाकों में अनेक गुमनाम समाजसेवी हैं। जिन्होंने समाज के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। धन–दौलत, पद, यश, वैभव किसी की चाह नहीं थी। मीडिया या प्रचार से दूर रहे, गुमनामी में अपना कार्य करते रहे। पहले इनकी ओर शासन का ध्यान नहीं जाता था। कोई पहाड़ तोड़ कर अकेले ही सड़क बनाता रहा। शासन का ध्यान उधर गया होता तो उनका कार्य आसान हो गया होता। लेकिन हार नहीं मानी। पहाड़ तोड़ कर मार्ग बनाकर ही दम लिया। इसी प्रकार अनेक लोग अपने अपने ढंग से समाजसेवा में जुटे हुए हैं। नरेन्द्र मोदी ने ऐसे गुमनाम लोगों को पद्म सम्मान देने का निर्णय लिया था। अब प्रतिवर्ष ऐसे लोगों को सम्मान पुरस्कार देने की परंपरा शुरू हुई।।

इस बार का राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पूरे देश में आजादी का अमश्त महोत्सव के रूप में मनाया गया। सरकार ने तय किया है कि अब हर साल गणतंत्र दिवस का पर्व 23 से 30 जनवरी तक सप्ताह भर का होगा। समारोह 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती से शुरू होकर 30 जनवरी को शहीद दिवस तक चलेंगे।

राजपथ पर भारतीय वायुसेना के 75 विमान और हेलीकॉप्टर भव्य फ्लाईपास्ट किया था। यह आजादी के अमश्त महोत्सव का शौर्य उद्घोष था। इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की डिजिटल प्रतिमा स्थापित की गई है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि आजादी के अमश्त महोत्सव में देश अपने राष्ट्रीय प्रतीकों को पुनर्प्रतिष्ठित कर रहा है। इंडिया गेट के समीप अमर जवान ज्योति और पास में ही नेशनल वॉर मेमोरियल पर प्रज्ज्वलित ज्योति को एक किया गया। विजय चौक पर आयोजित बीटिंग रिट्रीट समारोह में शनिवार को पहली बार भव्य ड्रोन शो ने आसमान को चकाचौंध कर दिया। इस शो में स्वदेशी तकनीक के जरिए तैयार किए गए एक हजार ड्रोन शामिल थे।

आजादी का अमश्त महोत्सव मनाने के लिए समारोह में कई नई धुनें जोड़ी गईं। इनमें हिंद की सेना और ऐ मेरे वतन के लोगों गीत भी शामिल था। नरेन्द्र मोदी की देश में लोकप्रियता एक बार फिर प्रमाणित हुई। उनकी एक बात पर देश के एक करोड़ बच्चों ने पत्र लिख दिए। आजादी के अमश्त महोत्सव के दृष्टिगत एक करोड़ से अधिक बच्चों ने अपने मन की बात, पोस्टकार्ड के जरिये लिखकर भेजी है।

मोदी ने मन की बात में भारतीय संस्कृति की व्यापकता का उल्लेख किया। कहा कि भारतीय संस्कृति अमेरिका कनाडा, दुबई, सिंगापुर, पश्चिमी यूरोप एवं जापान में बहुत लोकप्रिय है। भारतीय संस्कृति का लैटिन अमेरिका और दक्षिण अमेरिका में भी बड़ा आकर्षण है। अर्जेंटीना में हस्तिनापुर फाउंडेशन नामक एक संस्था है। यह फाउंडेशन अर्जेंटीना में भारतीय वैदिक परम्पराओं के प्रसार में जुटा है। हस्तिनापुर फाउंडेशन के 40 हजार से अधिक सदस्य हैं और अर्जेंटीना एवं अन्य लैटिन अमेरिकी देशों में इसकी करीब तीस शाखाएं हैं। हस्तिनापुर फाउंडेशन ने स्पेनिश भाषा में सौ से अधिक वैदिक और दार्शनिक ग्रन्थ भी प्रकाशित किये हैं। आश्रम में बारह मंदिरों का निर्माण कराया गया है। जिनमें अनेक देवी–देवताओं की मूर्तियां हैं। इनके केंद्र में अद्वैतवादी ध्यान स्थल है।

गरीबों को रामबाण होगी 60 यूनिट फ्री बिजली

–त्रिलोक कपूर–

हिमाचल में अंदाजन 22 लाख के लगभग परिवार हैं। बिजली बोर्ड के मुताबिक 4 लाख से कुछ अधिक उपभोक्ता 60 यूनिट प्रति माह से कम बिजली इस्तेमाल करते हैं और इन्हीं सब लोगों को जो बिजली की बचत करते हुए सीमित उपयोग करते हैं, ऊर्जा को बचाते हैं, उन्हें सौगात देते हुए माननीय मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने शून्य बिल प्रतिमाह का उपहार दिया है। 125 यूनिट तक वर्तमान 1.95 रुपए की दर को कम करके एक रुपए किया है, यानी बिजली के मूल्य से 75 फीसदी छूट मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने देकर प्रदेश की आधी आबादी का मन मोह लिया है। यह सच में प्रदेश की जनता की सेवा में रामबाण की तरह होगी। वहीं किसानों को मात्र 30 पैसे प्रति यूनिट शुल्क से काफी बड़े वर्ग को लाभ होगा। पूरे भारत में बिजली को लेकर अनेक दल योजना नीति फैसले लेते रहे हैं। दिल्ली में 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने की भी बड़ी चर्चा रहती है, लेकिन कम ही लोगों को मालूम होगा कि हिमाचल में पन बिजली तो बनती है ही, बिजली उपभोक्ता अपने घर में सोलर पैनल लगा कर अपना बिल के बाद बिजली बोर्ड से ही पैसा कमा कर लाभ अर्जित कर रहा है। हिमाचल में सौर ऊर्जा अन्य राज्यों से अधिक रहती है, लेकिन उसका सदुपयोग वर्तमान सरकार में शुरू हुआ, जब घरों की छत्तों में सौर ऊर्जा के पैनल लगा कर बिजली बोर्ड ऊर्जा का खरीददार उपभोक्ता से ही बन रहा है। यह सत्य है कि हिमाचल में पनबिजली के दोहन हेतु बड़े प्रयास करने पड़ेंगे। अभी जयराम ठाकुर की सरकार ने दूसरी औद्योगिक मीट में ग्राउंड ब्रेकिंग करते हुए रेणुका, धौलासिद्ध और लुहरी पनबिजली योजनाओं में कदम आगे बढ़ाए, लेकिन बहती नदी और बांध, दोनों की अर्थव्यवस्था के अलग–अलग प्रभाव–दुष्प्रभाव हैं। यह बहस बाद में विशेषज्ञों के साथ जरूर करेंगे, लेकिन सौर ऊर्जा को उपभोक्ताओं से जोड़ कर हिमाचल की जनता के वास्तविक हक को दिलवाने के काम की नींव जयराम ठाकुर की सरकार ने रखी है।

बिजली की रॉयल्टी को लेकर जब पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने हिमाचल अधिकार यात्रा निकाली थी तो हिमाचल वासियों को उस समय लगता था कि रॉयल्टी मिलते ही हमें बिजली सस्ती या मुफ्त मिलेगी। शांता कुमार जी के बाद भाजपा की प्रेम कुमार धूमल की सरकार ने पूरे देश के बिजली बोर्डों की तुलना में सबसे सस्ती बिजली की दरें कर दी। लेकिन कांग्रेस की सरकारों ने फिर मीटर रेंट को बढ़ा कर कान को घुमा कर पकड़ने की शुरुआत की। धूमल सरकार ने बिजली बोर्ड के सुधारों के लिए कई काम किए। ट्रांसमिशन लॉस यानी बहती हुई बिजली में कई प्रकार के नुकसान हो रहे थे, उसे रोकने के लिए ट्रांसमिशन की उचित रखरखाव के लिए अलग इदारा बनाया गया ताकि नुकसान से बचा जा सके। गर्मियों और सर्दियों में बिजली खरीदने–बेचने के लिए अलग–अलग राज्यों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। लेकिन दूसरी तरफ बिजली बोर्ड में फील्ड स्टाफ की कमी होती जा रही थी। बिजली जाने की शिकायतों को सुनने वाले भी नहीं थे। जयराम ठाकुर ने 795 टी–मेट को नौकरी देकर बहुत बड़ा काम किया। दिल्ली में बिना योजना के 300 यूनिट फ्री देकर बिजली की आंख मिचौली देश ने देखी है। दिल्ली अब इन्वर्टर का महानगर बन गया है। वास्तव में केजरीवाल की इन्वर्टर कंपनी से फंडिंग मिलने के अपुष्ट समाचार भी लोगों की जुबान पर हैं। वहीं हिमाचल में बिजली 24 घंटे मिलती है। फाल्ट पड़ते ही 30 मिनट में ठीक किया जाता है। हिमाचल में 60 यूनिट मुफ्त, 125 यूनिट तक सस्ती बिजली, सोलर पैनल लगे घरों में बिजली की खरीद होने के बाद निर्बाध बिजली मिलना सुशासन की निशानी है। याद करें तो उत्तरी ग्रिड खराब होने से 2013 व 2017 में अंतिम बार कांग्रेस सरकार में 18 घंटे व 4 घंटे का लंबा कट हिमाचल में लगा था, लेकिन अब यह बातें पुरानी हो गई हैं। इस बार तो शिमला में इतनी बर्फबारी के बाद भी बिजली आपूर्ति सामान्य बनाए रखी। लेकिन चुनौतियां कहां कम हैं। वर्तमान हिमाचल सरकार केंद्र के सहयोग से डट कर सामना कर रही है। बहुत पुराने बिजली के नेटवर्क को नया करने का बीड़ा उठाया है। सब स्टेशनों की संख्या जहां 25 प्रतिशत इसी कार्यकाल में बढ़ी है। हिमाचल बिजली सरप्लस राज्य है। यहां हम और बिजली पैदा कर अपने लोगों को राहत दे सकते हैं।

यह बात जयराम ठाकुर ने महसूस की। उन्होंने महसूस किया कि गरीब परिवार में कैसे बिजली के बिल को देने के लिए संघर्ष किया जाता है। उन्होंने महसूस किया कि बचपन में खुद उन्होंने बिजली के बिना कैसे पढ़ाई की है, और 25 जनवरी 2022 को ऐतिहासिक घोषणा कर हिमाचल वासियों का दिल जीत लिया। हिमाचल वासी भी इसके पात्र हैं। हिमाचल का गरीब कभी बिजली की चोरी नहीं करता। हिमाचल के नागरिक कोई कुंडी लगा कर अपराध नहीं करते। जयराम ठाकुर यहीं नहीं रुके। उन्होंने ग्राम पंचायत और नगर निगम की एनओसी के बिना भी नया बिजली कनेक्शन मिलने की घोषणा भी अब कर दी है। इसके अतिरिक्त 20 किलोवाट से कम क्षमता के घरेलू बिजली कनेक्शन लेने के लिए पहचान पत्र और संपत्ति के मालिकाना हक के प्रमाणपत्र ही बोर्ड को देने होंगे। बिजली सुधारों की शुरुआत के लिए भी भाजपा सरकार का यह कार्यकाल जाना जाएगा। अभी तो यह शुरुआत है। जयराम ठाकुर के अनुभव, शैली, कार्यप्रणाली, सादगी और साफगोई से हिमाचल विकास की नई इबारतें लिखने को अब तैयार है। हिमाचल मुफ्त राशन, मुफ्त इलाज, मुफ्त बिजली देने वाला अग्रणी और हर क्षेत्र में उन्नति करने वाला राज्य बन गया है। अस्पताल में 56 टेस्ट मुफ्त, हिम केअर में 5 लाख तक इलाज मुफ्त, गृहिणी योजना में गैस के दो सिलेंडर–चूल्हा मुफ्त, इसके बाद वृद्धावस्था पेंशन, बीमार लोगों को सहारा योजना के साथ सामाजिक कल्याण की योजनाओं में पात्र सीमा 35 हजार से 50 हजार करने से भी प्रदेश की जनता का विश्वास सरकार पर बढ़ा है।

बजट में मूल समस्याओं की अनदेखी

–भरत झुनझुनवाला–

वित्त मंत्री ने बजट में मेक इन इंडिया को बढ़ावा दिया है, जिसके लिए उन्हें 'धन्यवाद'। उन्होंने कई मशीनों पर आयात कर बढ़ाया है, जिनका भारत में उत्पादन हो सकता था, इससे भारत में मशीनों के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। मोबाइल फोन के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए मोबाइल फोन के लेंस के आयात पर छूट दी गई है। केमिकल में भी जहां देश में उत्पादन क्षमता उपलब्ध है, वहां आयात करों को बढ़ाया गया है। सोलर बिजली के उत्पादन के लिए घरेलू सोलर पैनल के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया गया है। रक्षा क्षेत्र में कुल बजट का पिछले साल 58 फीसदी घरेलू स्रोतों से खरीद की जा रही थी, जो इस वर्ष बढ़ाकर 68 फीसदी कर दिया गया है। ये सभी कदम सही दिशा में हैं। इनसे घरेलू उत्पादन में वृद्धि होगी और मेक इन इंडिया बढ़ेगा। लेकिन इसके बावजूद अर्थव्यवस्था पुनः चल निकलेगी, इस पर मुझे संशय है। मुख्य कारण यह है कि सरकार अपनी पुरानी सप्लाई बढ़ाने की गलत नीति पर ही चल रही है, जैसे घरेलू उत्पादन को प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव यानी उत्पादन के अनुसार उन्हें सहयोग मात्रा दिए जाने को बढ़ावा दिया गया है, लेकिन प्रश्न उठता है कि जब बाजार में मांग नहीं है, तो उद्यमी उत्पादन करेगा क्यों और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव लेने की स्थिति में पहुंचेगा कैसे। उद्यमी के लिए प्रमुख बात होती है कि वह अपने माल को बाजार में बेच सके। जब तक देश के नागरिकों की क्रय शक्ति नहीं बढ़ेगी और वे बाजार में माल खरीदने को नहीं उतरेंगे, तब तक बाजार में मांग उत्पन्न नहीं होगी और घरेलू उत्पादन नहीं बढ़ेगा।

वित्त मंत्री ने आम आदमी की क्रय शक्ति बढ़ाने के लिए कोई भी कदम नहीं उठाए हैं। करना यह चाहिए था कि सरकारी कर्मियों के वेतन में कटौती और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में रिसाव को खत्म करके आम आदमी को सीधे नगद वितरण करना चाहिए, जिससे कि आम आदमी बाजार से माल खरीद सके और अर्थव्यवस्था चल सके, जो रकम प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव में दी जा रही है, उसे सीधे जनता के हाथ में वितरित करना चाहि, जिससे वित्त मंत्री चूक गईं। वित्त मंत्री ने कहा है कि सरकारी निवेश में वृद्धि की गई है। यह भी सही है, लेकिन बड़ा सच यह है कि सरकार के कुल बजट में पांच लाख करोड़ की वृद्धि हुई है, जिसमे पूंजी खर्चों में दो लाख करोड़ की और सरकारी खपत में तीन करोड़ की। कहा जा सकता है कि यह दो लाख करोड़ की वृद्धि अच्छी है,और है भी। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। इस समय जब देश आयातों से हर तरफ से पिट रहा है, उस स्थिति में अपने देश में बुनियादी संरचना एवं अन्य पूंजी खर्चों में भारी वृद्धि करने की जरूरत थी, जिससे कि हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में खड़े हो सकें। वित्त मंत्री यहां भी चूक गईं। इसलिए हम विश्व अर्थव्यवस्था में वर्तमान की तरह पिटते रहेंगे, ऐसी आशंका है। वित्त मंत्री ने जीएसटी की वसूली में अप्रत्याशित वृद्धि की बात कही है, जोकि सही भी है। लेकिन प्रश्न यह है कि यदि जीएसटी में पिछले समय की तुलना में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, तो जीडीपी में मात्र नौ फीसदी की वृद्धि क्यों। कारण यह है कि जो नौ फीसदी की वृद्धि बताई जा रही है, यह विवादस्पद है। जीडीपी की गणना अपने देश में मुख्यतः संगठित क्षेत्र के आंकड़ों के आधार पर की जाती है। जीएसटी में वृद्धि उत्पादन के कारण नहीं, बल्कि इसलिए हो रही है कि असंगठित क्षेत्र पिट रहा है, असंगठित क्षेत्र का उत्पादन घट रहा है और वह उत्पादन जो अभी तक असंगठित क्षेत्र में होता था, वह अब संगठित क्षेत्र में होने लगा है। जैसे बस स्टैंड पर पहले रेहड़ी पर लोग चना बेचते थे और अब पैकेट में बंद चना बिक रहा है। असंगठित रेहड़ी वाले का धंधा कम हो गया और उतना ही उत्पादन संगठित पैकेट बंद चने का बढ़ गया। कुल उत्पादन उतना ही रहा, लेकिन रेहड़ी वाला जीएसटी नहीं देता था और पैकेट बंद उत्पादक जीएसटी देता है, इसलिए जीएसटी की वसूली बढ़ गई।

वित्त मंत्री को जीएसटी की वशद्धि को गंभीरता से समझना चाहिए कि इसके समानांतर जीडीपी में वशद्धि क्यों नहीं हो रही है। मेरे अनुसार यह एक खतरे की घंटी है कि छोटे आदमी का धंधा कम हो रहा है, उसकी क्रय शक्ति कम हो रही है और देश का कुल उत्पादन सपाट है, जबकि जीएसटी बढ़ रही है। जीएसटी की वसूली का दूसरा पक्ष राज्यों की स्वायत्तता का है। जून 2022 में केंद्र सरकार द्वारा राज्यों द्वारा जीएसटी में जो वसूली की कमी हुई है, उसकी भरपाई करना बंद हो जाएगा। जुलाई 2022 के बाद राज्यों को जीएसटी की कुल वसूली में अपने हिस्से मात्र से अपने बजट को चलाना होगा। कई राज्यों की आय 25 से 40 फीसदी तक एक ही दिन में घट जाएगी। इस समस्या से निपटने के लिए वित्त मंत्री ने राज्यों के लिए ऋण लेना और आसान कर लिया है, जो कि तात्कालिक समस्या के लिए ठीक है, लेकिन ऋण लेकर राज्य कब तक अपना बजट चलाएंगे। उन्हें कहीं न कहीं से आय तो अर्जित करनी ही पड़ेगी। आज के संकट को पांच साल बाद पीछे धकेल देने से संकट समाप्त नहीं होता है। इसी संकट को जीएसटी को लागू करते समय पांच साल के लिए पीछे धकेला गया था और अब इसे और पीछे धकेला जा रहा है। वित्त मंत्री को जीएसटी में लचीलापन लाना चाहिए और राज्यों को अपने विवेक के अनुसार अपने राज्य की सरहद में बिकने वाले माल पर जीएसटी की दर में परिवर्तन करने की छूट देनी चाहिए, जिससे कि वह अपने विवेक के अनुसार आय अर्जित कर सके। इस बजटमें एकमात्र गुण मेक इन इंडिया की तरफ विशेष वस्तुओं के आयात कर में वशद्धि करना है, बाकी अर्थव्यवस्था की सभी मूल समस्याओं की अनदेखी की गई है और मेरे आकलन से अर्थव्यवस्था इसी प्रकार ढुलमुल चलती रहेगी और हम विश्व अर्थव्यवस्था में पिछड़ते रहेंगे।

पुलिस अधीक्षक ने न्यायालय पैरोकार,कोर्ट मोहर्रिर के साथ गोष्ठी कर प्रभावी पैरवी करने के दिया निर्देश

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने पुलिस कार्यालय सभागार में जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त न्यायालय पैरोकार,कोर्ट मोहर्रिर के साथ गोष्ठी की। जिसमे पुलिस अधीक्षक ने सभी पैरोकार,कोर्ट मोहर्रिर से गैगेस्टर, माफिया, महिला संबंधी, पॉक्सो एक्ट के अपराधों एवं विशेषकर जनपद स्तर पर उच्चाधिकरियो द्वारा लगातार मॉनिटरिंग हेतु चिन्हित किए गए जघन्य अपराधों से संबंधित अभियोगो की न्यायालय में प्रभावी पैरवी करने एवं उनसे संबंधित साक्षियों की समय से गवाही कराने जिससे समय रहते अभियुक्तों को जल्द से जल्द सजा कराई जा सके, के निर्देश दिए। साथ ही मुकदमों से संबंधित केस डायरी, आरोप पत्र/अंतिम रिपोर्ट मा0 न्यायालय में समय से दाखिल कराने, मुकदमों से संबंधित समस्त गवाहानों के बयान अंकित कराने, पैरोल पर छूटे अपराधियों की डिटेल प्राप्त कर संबंधित को अवगत कराने व समय से सम्मन/वारण्ट तामिला कराने आदि के निर्देश दिए। साथ ही मा0न्यायालय अपर सेशन जज–7 गोण्डा में नियुक्त कोर्ट मुहर्रिर म0आरक्षी मन्दाकिनी मौर्या को बेहतर कार्य के लिए रु500/– का नकद पुरस्कार भी दिया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनकापुर में शिक्षामित्रों ने की कालिंग ड्यूटी

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। तहसील मनकापुर 02 फरवरी 2022 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनकापुर में आयोजित कॉलिंग ड्यूटी में खंड शिक्षा अधिकारी मनकापुर के नेतृत्व में तमाम शिक्षामित्रों ने कालीलिंग ड्यूटी कर कोविड–19 के प्रथम एवं द्वितीय डोज की फोन करके जानकारी प्राप्त कर रिपोर्ट सौंपी। इस तरह से आप लोगों को बताते चलें कि सरकार के द्वारा अथक प्रयास यही रहा है कि ज्यादा से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों को ड्यूटी के रूप में स्वास्थ्य केंद्रों पर लगाया जाए जिससे इस क्रोना वैश्विक महामारी को दूर करने के लिए प्रथम एवं द्वितीय चरण डोज के लिए लोगों से फोन के द्वारा जानकारी प्राप्त करके शासन को दें। इस बात को मध्य नजर रखते हुए प्राइमरी स्कूल के शिक्षामित्रों को भी ड्यूटी में लगाया गया जिसका इन लोगों ने साहस पूर्वक अपने कार्य का निर्वहन किया। इस कार्य को करने में चांद बाबू विजय कुमार मिश्रा,अकबर अली, बलराम रामसहाय सहित अन्य तमाम शिक्षामित्र लोग उपस्थित रहे।

मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर सुशील मिश्रा (USA) के नेतृत्व में हुआ भण्डारे का हुआ आयोजन,,

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। ऐतिहासिक प्रयागराज संगम नगरी में माघ मेले के मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर प्रयागराज मेले में आए श्रद्धालुओं के लिए समाजसेवी सुशील मिश्रा (USA) के नेतृत्व में स्थान श्री भगवान नारायण खालसा रामानंद व मार्ग प्रयागराज झुशी में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सात समुंदर पार जिले के चर्चित समाजसेवी सुशील मिश्रा व (रंगुलाल कैरियर इंक) के एमडी सुशील मिश्रा ने मौनी अमावस्या के महापर्व पर प्रयागराज के संगम नगरी में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया। डॉक्टर अरुण मिश्रा ने मौनी अमावस्या के महापर्व माघ मेले में आए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। भंडारे में महंत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर जनार्दन दास जी महाराज(तुलसीदास छावनी अयोध्या) राजन दास जी महाराज अयोध्या के सानिध्य में संगम के तट प्रयागराज में मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।जिसमें कुम्भ से स्नान करने आए हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।प्रयागराज के संगम नगरी में मौनी अमावस्या के अवसर पर समाजसेवी सुशील मिश्रा (USA) के द्वारा विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। जिसमें प्रयागराज से कुम्भ स्नान करने आए श्रद्धालुओं के लिए चाय–पोहा, छोला– चावल, खिचड़ी आदि की व्यवस्था की गयी थी। प्रयागराज में मौनी अमावस्या का स्नान करने आ रहे यात्रियों की बसो को रोक कर नगर के सैकड़ों युवकों द्वारा हर स्नानार्थी को प्रसाद के रूप में छोला–चावल,खिचड़ी व चाय–बिस्किट वितरण किया गया। इसी बीच राजन दास जी महाराज अयोध्या भी आ पहुँचे और उन्होंने भी प्रसाद ग्रहण किया और भंडारा स्थल पर काफी देर तक उपस्थित रहे। जिसकी लोगो ने खूब सराहना की। इस मौके पर हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष शारदा कांत पाण्डेय, डॉ अरुण कुमार मिश्रा, समाजसेवी सुशील मिश्रा (USA) द्वारा भव्य भंडारे का प्रसाद बांटा गया।

मेंहनौन विधायक विनय द्विवेदी ने इटियाथोक कस्बे में किया प्रेस कॉन्फ्रेंस

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। मंगलवार शाम को क्षेत्रीय विधायक विनय कुमार द्विवेदी ने इटियाथोक कस्बे के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान गोंडा नगर सहित इटियाथोक ब्लाक क्षेत्र के अनेक मीडियाकर्मी मौके पर मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तत्वाधान में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत लाभकारी बजट 2022 –23 एवं आगामी वर्चुवल रैली को लेकर 295 मेंहनौन के बीजेपी विधायक द्वारा प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक ने सरकार द्वारा चलाए गए पांच वर्ष के कार्यकाल में जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अपने कार्यकाल में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा के मामले में बेहतर कार्य किये है। हमारी सरकार में बिना किसी भेदभाव के पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का पूरा लाभ मिला है। उन्होंने दावा किया कि इस बार पुनः प्रदेश में प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। विधायक ने बताया कि दो फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी की वर्चुवल रैली है, जिसका प्रसारण सुबह 11 बजे से इटियाथोक कस्बे के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में होगा और लोगो को कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए इसे दिखाया जावेगा। आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान सुरेश नरायन पाड़ेय, कपिलेश्वर शुक्ला, राकेश तिवारी, डा0 रामानंद तिवारी, राहुल ओझा, संजय कुमार द्विवेदी, राजन शुक्ला, सोहनलाल भारती, आलोक मिश्रा, राजेश कुमार पांडेय आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कानपुर गोविंद नगर भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र मैथानी को मिला व्यापारियों और क्षेत्रवासियों का आश्वासन

अवध की आवाज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर महानगर में भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र मैथानी गोविंद नगर विधानसभा कानपुर ने अपनी विधानसभा क्षेत्र में नियमित शाखा शिवम शाखा मॉडल टाउन पांडू नगर अंतर्गत संघ स्थान पर ध्वज प्रणाम कर मॉर्निंग वाकर्स आदि से मिलकर जनसंपर्क प्रारंभ किया उसी क्रम में उन्होंने अपनी विधानसभा क्षेत्र में व्यापारी गणों एवंम क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों से मुलाकात कर एक बैठक की क्षेत्रवासियों और व्यापारी गणों ने उनको सहयोग का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने घर-घर भ्रमण कर कोविड टीकाकरण के लिए किया प्रेरित

सीएमओ ने माल, मलिहाबाद व काकोरी ब्लाक के विभिन्न गांवों का किया भ्रमण

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को जनपद के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में घर – घर जाकर लोगों को कोविड टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मनोज अग्रवाल और उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. के.डी.मिश्रा ने माल, मलिहाबाद और काकोरी ब्लॉक के विभिन्न गाँवों का भ्रमण कर लोगों को टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी और उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने टीकाकरण से छूटे लोगों से बात कर उनसे टीका न लगवाने का कारण पूछा और टीकाकरण को लेकर उनके मन में जो संदेह थे उन्हें दूर करने का प्रयास किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ में टीकाकरण की टीम भी थी जिसने मौके पर उपस्थित लोगों को कोविड का टीका लगाया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा – कोरोना से बचाव में कोविड का टीकाकरण ही एकमात्र कारगर उपाय है। यह टीका पूरी तरह से सुरक्षित है। टीका लगने के बाद में अगर कोरोना हो भी जाता है तो इसकी तीव्रता बहुत नहीं होगी और न ही अन्य लोग इससे संक्रमित होंगे। अभी 15 साल से छोटे बच्चों की कोविड की वैक्सीन नहीं आयी है। इसलिए 15 साल से अधिक आयु के सभी लोग कोविड का टीका जरूर लगवाएं ताकि स्वयं तो सुरक्षित रहें साथ ही अपने परिवार के सदस्यों को भी कोरोना से सुरक्षित रखें।

डा. मनोज अग्रवाल ने कहा– यह टीका गर्भवती और धात्री दोनों के लिए भी पूरी तरह सुरक्षित है। इससे न केवल गर्भवती सुरक्षित रहती है बल्कि गर्भ में पल रहा बच्चा भी सुरक्षित रहता है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया– हमारा लक्ष्य जनपद में शत प्रतिशत कोविड टीकाकरण करना है। 15 साल से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति टीकाकरण से छूटा न रहे। जनपद में 31 जनवरी तक 72,66,266 कोविड टीके की डोज लगाई जा चुकी है। इसमें 15–18 साल तथा 18 साल से अधिक आयु के 41,02,905 लोगों को कोविड टीके की पहली डोज लग चुकी है। 30,90,681 लोग टीके की दूसरी डोज से भी आच्छादित हो चुके हैं।

उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा– टीका लगवाने के बाद भी हमें मास्क लगाए रखना है, बार–बार हाथों को धुलते रहना है और दो गज की शारीरिक दूरी का पालन करना है। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि व्यर्थ में घर से बाहर न निकलें और भीड़–भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें।

पडरौना के बजाय फाजिलनगर से चुनावी रण में उतरेंगे स्वामी प्रसाद

लखनऊ, (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर दलितों की उपेक्षा का आरोप लगा कर पिछले महीने समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल हुये पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य उत्तर प्रदेश के मौजूदा विधानसभा चुनाव में अपनी परंपरागत कुशीनगर की पडरौना सीट की बजाय फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र से चुनावी रण में उतरेंगे। सपा द्वारा बुधवार को जारी तीन प्रत्याशियों की सूची में स्वामी प्रसाद मौर्य को फाजिलनगर से टिकट दिया गया है। कभी बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती के खासमखास रहे मौर्य ने 2017 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर पडरौना से चुनाव जीता था। पांच साल योगी मंत्रिमंडल का हिस्सा रहे स्वामी प्रसाद का चुनाव से पहले भाजपा से मोहभंग हो गया था जिसके बाद वह सपा की साइकिल पर सवार हो गये थे। मौर्य के अलावा सपा के कद्दावर नेता एवं पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा इस बार सरोजनीनगर सीट से किस्मत आजमायेंगे। गौरतलब है कि सरोजनीनगर सीट पर राज्य मंत्री स्वाति सिंह के स्थान भाजपा उम्मीदवार के तौर पर प्रवर्तन निदेशालय के संयुक्त निदेशक रहे राजेश्वर सिंह के नाम का ऐलान होने के बाद सपा ने पहले की सूची में रद्दोबदल करते हुये अपने असरदार नेता अभिषेक मिश्रा को चुनावी दंगल में उतारा है। वहीं कौशांबी जिले की सिराथू सीट पर सपा ने पल्लवी पटेल को टिकट दिया है। पल्लवी अपना दल कमेरावादी की अध्यक्ष कृष्णा पटेल की बेटी है। वह सूबे के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को ललकारेंगी।

शाह-राजनाथ पश्चिम में गिनायेंगे भाजपा सरकार की खूबियां

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्टार प्रचारक केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह अलीगढ़ और बदायूं में जनसंपर्क कर योगी सरकार की खूबियां बतायेंगे वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखीमपुर खीरी और बदायूं में डबल इंजन की सरकार के फायदे और विपक्ष की खामियां गिनायेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह भी अलग अलग क्षेत्रों में जनसंपर्क करेंगे। शाह बुधवार को अलीगढ़ और बदायूं का दौरा कर सार्वजनिक सभाएं, जनसम्पर्क व संगठनात्मक बैठकें करेंगे। वह सुबह 11:10 बजे अतरौली में केएमबी इंटर कालेज में सार्वजनिक सभा को सम्बोधित करेंगे जबकि दोपहर 12:55 बजे बदायूं में सहसवांन विधानसभा के इस्लामनगर स्थित केवीएम इंटर कालेज में एक जनसभा को सम्बोधित करेंगे। शाह दोपहर पौने तीन बजे गांधी ग्राउंड, बदायूं में सार्वजनिक सभा को सम्बोधित करेंगे जबकि बाद में घर–घर पहुंचकर जनसम्पर्क करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 03:55 बजे भाजपा जिला कार्यालय बदायूं में पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठक करेंगे। वहीं राजनाथ सिंह लखीमपुर विधानसभा के प्रभावी मतदाताओ के साथ संवाद करेंगे और बाद में माँ संकटा देवी मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे तथा सदर बाजार, लखीमपुर में घर–घर जाकर जनसम्पर्क करेंगे। रक्षा मंत्री दोपहर दो बजे पीलीभीत में पीलीभीत विधानसभा के प्रभावी मतदाताओं के साथ संवाद करेंगे और पीलीभीत के चाबला चौराहा से घर–घर जनसम्पर्क प्रारम्भ करेंगे। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुलन्दशहर एवं मथुरा के प्रवास पर रहेंगे, जहां सार्वजनिक सभाओं, जनसम्पर्क व कई संगठनात्मक कार्यक्रमों में सम्मिलित होगें। वह दोपहर सवा 12 बजे रामलीला मैदान, गुलावठी, बुलन्दशहर में सार्वजनिक सभा को सम्बोधित करेंगे जबकि डेढ़ बजे मथुरा के छाता में जनसभा को सम्बोधित करेंगे। वह पौने तीन बजे बांके लाला जी का बाडा, गोवर्धन, मुथरा में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगें जबकि 03:45 बजे सेठ बीएन पोद्दार इंटर कालेज, मथुरा में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगे। उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा झांसी के प्रवास पर रहेंगे। वह सुबह 11:30 बजे झांसी की बबीना विधानसभा के सिद्धी विनायक देवाय वाटिका, बबीना कैण्ट में प्रभावी मतदाताओं के साथ संवाद तथा घर–घर पहुंचकर जनसम्पर्क करेंगे। वहीं दोपहर दो बजे गरौठा विधानसभा के रामलीला मैदान, समथर में प्रभावी मतदाताओं के साथ संवाद व घर–घर जनसम्पर्क करेंगें

डीसीएम और मोटरसाइकिल में टक्कर होने से मोटरसाइकिल सवार हुआ घायल,,

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। बुधवार की दोपहर में मोतीगंज दतौली मार्ग पर राजापुर परसौरा गांव के चौराहे के सामने मोटरसाइकिल सवार युवक को डीसीएम ने टक्कर मार दी जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया आसपास के लोगों ने सूचना मोतीगंज पुलिस को दी सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मोतीगंज ने हल्का दारोगा दिलीप सिंह, वा आरक्षी राहुल चौहान, संजय यादव को मौके पर भेजा मौके पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायल को जिला चिकित्सालय इलाज के लिए भेजवाया। प्रभारी निरीक्षक मोतीगंज अरविंद कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के ही भरोसी उपाध्याय पुरवा गांव के रहने वाले करन, वा हरिओम घायल हो गए हैं चालक गाड़ी छोड़कर भग गया है उसका पता लगाया जा रहा है गाड़ी डीसीएम हिरासत में ले ली गई है।

अवैध तमंचा मय कारतूस एक अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। थाना कोतवाली सदर, जनपद उन्नाव पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन एंव अपर पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी महोदय नगर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली सदर पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को एक अदद अवैध तमंचा 12 बोर मय तीन अदद जिंदा कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के जिलाध्यक्ष सुनील यादव समेत कई पदाधिकारियों ने अपने पद से दिया इस्तीफा

अवध की आवाज ब्यूरो

इटावा। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के जिलाध्यक्ष सुनील यादव समेत कई पदाधिकारियों ने अपने पद से दिया इस्तीफा चौगुर्जि स्थित पार्टी कार्यालय पर बैठक कर पदाधिकारियों ने दिया पद से इस्तीफा जिलाध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि वो पूरी तरह प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव के साथ है और एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह काम करते हुए सपा प्रसपा गठबंधन के प्रत्याशी को जिताने का काम करेंगे। सुनील यादव के साथ जिला महासचिव कृष्ण मुरारी गुप्ता, कोषाध्यक्ष दीपक भदौरिया, जिलाध्यक्ष अधिवक्ता सभा योगेश यादव राजू, जिलासचिव वीरेंद्र शंखवार, जिला उपाध्यक्ष अंशुल यादव, समेत पार्टी के कई पदाधिकारियों ने पद से इस्तीफा दिया।

तीन अक्टूबर की घटना का असर आगामी चुनाव में लखीमपुर खीरी में भाजपा पर पड़ सकता है: स्थानीय निवासी

लखीमपुर खीरीए (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में निघासन विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तिकोनिया में तीन अक्टूबर को हुई घटना का असर पड़ सकता है। तिकोनिया निघासन विधानसभा क्षेत्र में स्थित वही जगह है जहां पर पिछले साल तीन अक्टूबर को केंद्रीय गशह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के एक तल्ख बयान और तीन नए कृषि कानूनों के किसानों के विरोध के दौरान हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोग मारे गए थे। इस मामले में टेनी के बेटे आशीष को मुख्य अभियुक्त के तौर पर गिरफ्तार किया गया है। तिकोनिया की घटना को लेकर जिले के सिख समुदाय ने कथित तौर पर अपने सदस्यों से भाजपा के चुनाव प्रचार से दूर रहने को कहा है। तिकोनिया से कुछ दूरी पर स्थित कौड़ियाला घाट गुरुद्वारा में सोमवार को 'अमावस' पर्व में शामिल होने आए जिले के पलिया, निघासन, गोला गोकर्ण नाथ, श्रीनगर और लखीमपुर क्षेत्रों के विभिन्न गांवों के निवासी सिख समुदाय के कई लोगों ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि तिकोनिया में हुई घटना का जख्म बहुत गहरा है और इसका असर भाजपा को चुनाव परिणामों में दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि किस पार्टी को समर्थन देना है, यह माहौल देखकर तय किया जाएगा। निघासन क्षेत्र के खरेटिया गांव के रहने वाले किसान स्वर्ण सिंह ने कहा ''किसान सितंबर 2021 में पलिया के सम्पूर्णानगर में नये कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों को खुलेआम धमकी देने के कारण टेनी से पहले ही नाराज थे। तिकोनिया कांड ने आग में घी डाल दिया है। जिनके घर के लोग तिकोनिया कांड में मारे गए, क्या वे उस वारदात को भूल पाएंगे। तिकोनिया गांव निघासन विधानसभा क्षेत्र में आता है निघासन क्षेत्र में करीब 15000 सिख मतदाता हैं। वैसे, यह मुस्लिम बहुल सीट है। यहां लगभग 80000 मुस्लिम मतदाता हैं। इसके अलावा करीब 28000 मौर्य तथा लगभग 22000 कुर्मी वोटर हैं। तिकोनिया के पड़ोस में ही स्थित सहन खेड़ा गांव के पूर्व प्रधान अहमद खान का कहना है कि तिकोनिया कांड के बाद सिखों में भाजपा को लेकर इस कदर नाराजगी है कि वे जगह–जगह यह घोषणा कर रहे हैं कि अगर सिख समुदाय का कोई व्यक्ति भाजपा का झंडा लगाएगा तो उससे कोई रिश्ता नहीं रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर सिख समुदाय भाजपा के खिलाफ किसी पार्टी को एकमुश्त वोट देगा तो चुनाव परिणाम पर बहुत असर पड़ेगा। हालांकि तिकोनिया में सिख समुदाय को छोड़कर बाकी वर्गों में टेनी के खिलाफ आक्रोश नजर नहीं आया। क्षेत्र के ज्यादातर लोगों का कहना है कि वह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और यह टेनी की बदकिस्मती थी। तिकोनिया गांव के प्रधान शफीक अहमद का कहना है,'' सिखों को छोड़कर बाकी लोगों को टेनी से कोई शिकायत नहीं है। यह टेनी का दुर्भाग्य था कि तिकोनिया में तीन अक्टूबर को वह घटना हो गई। वरना निघासन सीट से भाजपा के टिकट पर टेनी के बेटे आशीष चुनाव लड़ने वाले थे और वह जीत भी जाते। मगर तिकोनिया कांड में गिरफ्तारी के बाद आशीष के राजनीतिक कैरियर पर फिलहाल ग्रहण लग गया है। उन्होंने कहा,'' निघासन मुस्लिम बहुल इलाका है, मगर भाजपा का सांसद होने के बावजूद यहां सभी वर्गों में टेनी की छवि अच्छी है। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के सबके लिए काम किया है। हालांकि तिकोनिया की घटना ने हालात को काफी हद तक बदल दिया है और अब यहां सपा का पलड़ा भारी लग रहा है।'' गौरतलब है कि विपक्षी दलों ने तिकोनिया कांड को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा पर जोरदार हमले किए थे और वे टेनी की भी गिरफ्तारी और बर्खास्तगी की मांग कर रहे हैं। हालांकि तिकोनिया से महज तीन किलोमीटर दूर अजय मिश्रा टेनी के पुश्तैनी गांव बनवीरपुर में लोगों की राय टेनी के प्रति सहानुभूति से भरी है। बनवीरपुर में मेडिकल स्टोर संचालित करने वाले मुकेश कुमार का कहना है कि तिकोनिया की घटना के बाद यहां का माहौल अब पूरी तरह से टेनी के पक्ष में हो गया है, अगर तिकोनिया की घटना नहीं हुई होती तो समाजवादी पार्टी के पास अच्छा मौका हो सकता था। अपने इस दावे के पीछे दलील देते हुए उन्होंने कहा कि सभी लोग जानते हैं कि वह घटना टेनी ने नहीं करवाई थी, इसके अलावा आशीष घटनास्थल पर मौजूद थे या नहीं, यह भी अभी सवालों के घेरे में है, ऐसे में सहानुभूति पूरी तरह से टेनी के साथ है। गांव में उर्वरक और कीटनाशक की दुकान चलाने वाली नीरज कुमार का कहना है कि पहले जो लड़ाई हिंदू–मुस्लिम के बीच होती थी वह अब हिंदुओं और सिखों के बीच हो गई है और तिकोनिया की घटना के बाद सिखों के विरोध में यहां का हिंदू एकजुट हो गया है। टेनी की गिनती लखीमपुर खीरी के बड़े नेताओं में होती है। वर्ष 2011 में निघासन थाने में एक लड़की की बलात्कार के बाद हत्या के मामले में चले आंदोलन की अगुवाई करने से उनका प्रभाव लगातार बढ़ता गया और अगले साल हुए विधानसभा चुनाव में वह निघासन सीट से भाजपा के टिकट पर विधायक बने। उसके बाद 2014 और 2019 में वह लखीमपुर खीरी से सांसद चुने गए। टेनी के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में पलिया, निघासन, लखीमपुर, श्रीनगर और गोला गोकर्ण नाथ सीटें आती हैं। वर्ष 2017 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में लखीमपुर खीरी जिले की सभी आठों सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। बहरहाल, लखीमपुर से सांसद होने के बावजूद जिले में विधानसभा चुनाव प्रचार में अजय मिश्रा टेनी की कोई खास सक्रियता नजर नहीं आ रही है। भाजपा टेनी को आगे करके फिलहाल कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती। निघासन विधानसभा सीट से भाजपा ने मौजूदा विधायक शशांक वर्मा को ही दोबारा प्रत्याशी बनाया है जबकि सपा ने पूर्व विधायक आर एस कुशवाहा को टिकट दिया है। बसपा ने रफी अहमद उस्मानी और कांग्रेस ने अटल शुक्ला को उम्मीदवार बनाया है। जिले की आठ विधानसभा सीटों पर चौथे चरण में आगामी 23 फरवरी को मतदान होगा।

गुजरात के खिजादिया और उत्तर प्रदेश के बखिरा वन्यजीव अभयारण्य को रामसर स्थल घोषित किया गया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। गुजरात के खिजादिया वन्यजीव अभयारण्य और उत्तर प्रदेश स्थित बखिरा वन्यजीव अभयारण्य को रामसर स्थल घोषित किया गया है और इसके साथ ही देश में संरक्षित आर्द्रभूमियों की कुल संख्या बढ़कर 49 हो गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को यह जानकारी दी। खिजादिया वन्यजीव अभयारण्य और बखिरा वन्यजीव अभयारण्य को रामसर संधि के तहत अंतरराष्ट्रीय महत्ता की आर्द्रभूमियों के रूप में मान्यता दी गई है। पर्यावरण मंत्री ने पिछले साल रामसर सूची में शामिल किए गए सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान में विश्व आर्द्रभूमि दिवस के उपलक्ष्य पर बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। यादव ने कहा, '' मुझे खुशी है कि दो और आर्द्रभूमियों को रामसर स्थलों में शामिल किया गया है। भारत में इस समय 49 रामसर स्थल हैं। ये 10.93 हेक्टेयर के इलाके में फैले हैं, जो दक्षिण एशिया में सबसे बड़ा इलाका है। विश्व आर्द्रभूमि दिवस का विषय 'लोगों और प्रकृति के लिए आर्द्रभूमि के संबंध में कार्रवाई' था। इस अवसर पर यादव, पर्यावरण राज्य मंत्री अश्विनी चौबे और हरियाणा के मुख्यमंत्री एम एल खट्टर ने अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, अहमदाबाद द्वारा तैयार किया गया राष्ट्रीय आर्द्रभूमि दशकीय परिवर्तन एटलस भी जारी किया, जो पिछले एक दशक में आर्द्रभूमि में हुए परिवर्तनों पर प्रकाश डालता है। रामसर संधि आर्द्रभूमि के संरक्षण और कुशलता से उपयोग के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संधि है। इसका नाम कैस्पियन सागर पर ईरानी शहर रामसर के नाम पर रखा गया है, जहां दो फरवरी, 1971 को संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।

निजी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं के आरक्षण के लिए कानून लाने का कोई प्रस्ताव नहीं : सरकार

नई दिल्ली,(वेब वार्ता)। सरकार ने बुधवार को कहा कि निजी क्षेत्र की नौकरियों में गैर–कार्यकारी स्तर पर स्थानीय युवाओं को आरक्षण मुहैया कराने के लिए कानून लाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। सरकार से सवाल किया गया था, ''क्या सरकार निजी क्षेत्र की नौकरियों में कार्यकारी स्तर पर स्थानीय युवाओं को आरक्षण प्रदान करने के लिए कोई मॉडल कानून लाएगी?'' इसके जवाब में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने कहा, '' सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। इसके साथ ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ए नारायणस्वामी ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में कहा कि निजी क्षेत्र में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए आरक्षण के संबंध में संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि सिर्फ कानून बना कर ही निजी क्षेत्र में आरक्षण के प्रावधान किए जा सकते हैं। मंत्री ने कहा कि इसके लिए विभिन्न संबंधित पक्षों के साथ व्यापक विचारविमर्श किए जाने की जरूरत है।

तमिलनाडु में बाढ़ से हुए नुकसान का मुद्दा उठा रास में, केंद्र से मदद की मांग

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। तमिलनाडु में पिछले साल अक्टूबर और नवंबर माह में भीषण बारिश की वजह से हुए नुकसान का मुद्दा उठाते हुए राज्यसभा में बुधवार को द्रमुक के एक सदस्य ने सरकार से तत्काल वित्तीय सहायता की मांग की ताकि राज्य के लोगों को राहत मुहैया कराई जा सके। शून्यकाल के दौरान द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सदस्य पी विल्सन ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि अक्टूबर, नवंबर 2021 में भीषण बारिश की वजह से तमिलनाडु के कई जिले प्रभावित हुए और अवसंरचना से लेकर फसल तक को व्यापक नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी की वजह से पहले से ही आर्थिक संकट का सामना कर रही तमिलनाडु सरकार ने राज्य के लोगों को यथासंभव मदद दी है लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। विल्सन ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्रीय दल भी गया था लेकिन ढाई महीने बीत जाने के बाद भी अब तक केंद्र की ओर से राज्य को कोई आर्थिक मदद नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि इस बारे में केंद्र को राज्य की ओर से तीन ज्ञापन दिए गए और प्रधानमंत्री तथा गशह मंत्री के समक्ष अभ्यावेदन भी दिया गया किंतु अब तक कोई मदद नहीं मिली है। विल्सन ने सरकार से मांग की कि राज्य को तत्काल छह हजार करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी जाए ताकि लोगों को राहत दी जा सके। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के विजय साई रेड्डी ने शून्यकाल में तिरूमला तिरूपति देवस्थानम से जुड़ा मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि तिरूमला हिंदुओं का एक प्रख्यात तीर्थ स्थल है जहां पूरी दुनिया भर से श्रद्धालु आते हैं। उन्होंने कहा कि इस तीर्थ स्थल का प्रबंधन करने वाला तिरूमला तिरूपति देवस्थानम शैक्षिक और सामाजिक सहित कई तरह की परमार्थ गतिविधियां चलाता है जिसके लिए उसे धन की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि यह धन उसे चंदे में और अनुदान के रूप में मिलता है। विदेशों से भी अनुदान मिलता है। विजय साई रेड्डी ने कहा कि दिसंबर तक तिरूमला तिरूपति देवस्थानम के बैंक खाते में 13.4 करोड़ रुपये थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने तिरूमला तिरूपति देवस्थानम का 'एफसीआरए' पंजीकरण एक तुच्छ तकनीकी आधार पर रोक दिया है जो नहीं रोका जाना चाहिए। उन्होंने मांग की सरकार को इस ओर तत्काल ध्यान देना चाहिए। मनोनीत सदस्य नरेंद्र जाधव ने कहा कि देश के कई हिस्सों में हर साल प्राकृतिक आपदाएं आती हैं जिनकी वजह से कई ऐतिहासिक धरोहरों को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की ऐतिहासिक धरोहरें उस देश की अमूल्य संपदा होती हैं जिनका संरक्षण जरूरी है ताकि आने वाली पीढ़ियां अपने इतिहास और संस्कृति को जान सकें। जाधव ने सरकार से मांग की कि राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों, ऐतिहासिक धरोहरों का चरणबद्ध तरीके से विश्लेषण कर उनकी स्थिति का पता लगाना चाहिए और उनके संरक्षण के लिए समय रहते उपाय किये जाने चाहिए। शून्यकाल में ही कांग्रेस के राजामणि पटेल ने रीवा में राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस राजमार्ग पर पथकर वसूलने वाली कंपनी नियमों का कथित तौर पर उल्लंघन कर रही है जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। तेलुगु देशम पार्टी के कनक मेदला रविंद्र कुमार ने अनुसूचित जाति से जुड़ा मुद्दा उठाया।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना में कुल राशि का 58 प्रतिशत प्रचार पर खर्च

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। सरकार ने बुधवार को कहा कि ' बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत 2014–15 से 2020–21 तक कुल 683.05 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं जिनमें 401.04 करोड़ रुपये यानी 58 प्रतिशत राशि प्रचार पर खर्च की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मशति ईरानी ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि ' बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना का मकसद घटते बाल लिंग अनुपात (सीएसआर) तथा पूरे जीवन चक्र में लड़कियों और महिलाओं के सशक्तीकरण से संबंधित मुद्दों का समाधान करना है। उन्होंने कहा, ''वित्त वर्ष 2014–15 से वित्त वर्ष 2020–21 तक 683.05 करोड़ रुपये के कुल व्यय में से मीडिया एडेवोकेसी कैंपेन (प्रचार अभियान) पर 401.04 करोड़ रुपये का व्यय हुआ है जो कुल व्यय का 58 प्रतिशत है। ईरानी ने कहा कि सामुदायिक भागीदारी, जन्म के समय लिंग के चयन पर रोक और बालिकाओं की शिक्षा और विकास में मदद के लिए, सकारात्मक कार्रवाई के माध्यम से बेटियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सभी स्तरों पर इस योजना के तहत लगातार प्रयास किए जाते हैं। राज्यों के मंत्रियों और अधिकारियों, आकांक्षी जिलों तथा महिलाओं के विरुद्ध अपराध की सबसे अधिक दर वाले 100 जिलों के साथ मंत्रीस्तरीय समीक्षा बैठकों का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि शुरूआती दौर में, जागरुकता फैलाने पर बल देने के लिए और बेटियों को महत्व देने की दिशा में समाज की सोच में परिवर्तन लाने के लिए मीडिया और 'एडवोकेसी' पर जोर दिया गया है। पिछले दो वर्षों में, केंद्रीय स्तर पर 'मीडिया एडवोकेसी' अभियान पर खर्च में काफी गिरावट आई है और अब स्वभाव परिवर्तन संपर्क पर जोर दिया जा रहा है।

बैटरी की अदला-बदली नीति दिलचस्प लेकिन सरकारी सहायता के बिना सफल नहीं : विशेषज्ञ

वाशिंगटन, (वेब वार्ता)। भारत की प्रस्तावित 'बैटरी अदला–बदली' नीति दिलचस्प है लेकिन सरकार के समर्थन के बिना इसे सफल कर पाना संभावना नहीं है क्योंकि प्रमुख कार कंपनियां अपनी बैटरी संबंधी प्रौद्योगिकी को साझा नहीं करती हैं। ऑटोमोटिव उद्योग के एक विशेषज्ञ ने यह बात कही है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक बड़े कदम में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को 39.45 लाख करोड़ रुपये के बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने बजट पेश करने के दौरान कहा कि सरकार चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए जगह की कमी को देखते हुए देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए बैटरी की अदला–बदला नीति लाएगी। नई नीति पर प्रतिक्रिया देते हुए ऑटोमोटिव उद्योग के विशेषज्ञ और 'कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड लेबर' में श्रम अध्ययन के निदेशक आर्थर व्हीटन ने कहा कि बैटरी की अदला–बदला नीति का विचार दिलचस्प है, लेकिन सरकार की बड़ी भागीदारी के बिना यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा, ''प्रमुख कार कंपनियां बैटरी से जुड़ी अपनी तकनीक(या किसी भी तकनीक) को साझा नहीं करती हैं और विनिमेय बैटरियों का मतलब होगा कि देश भर में बहुत सारी निरर्थक बैटरी प्रभावी होंगी। इसी को लेकर महिंद्रा एंड महिंद्रा के कार्यकारी निदेशक (ऑटो और फार्म) राजेश जेजुरिकर ने कहा कि केंद्रीय बजट 2022–23 में वित्त मंत्री द्वारा स्थायी गतिशीलता की शुरुआत करने के लिए तैयार की गई रुपरेखा भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अपनाने को बढ़ावा देगा। मर्सिडीज–बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी मार्टिन श्वेंक ने कहा कि बैटरी की अदला–बदली की घोषणा सही दिशा में एक कदम है और एक सीमित क्षेत्र के लिए मददगार होगी।

पत्रकार सुरक्षा महासमिति उत्तर प्रदेश आज दिनांक 2 ,2 ,2022 दिन बुधवार को नेशनल हाईवे रोड अवध की आवाज कार्यालय गहरा मैं महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा सुमन मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष गुड्डू मिश्रा शशिकांत गुप्ता मनोज गुप्ता संवाददाता अजय राजपूत मौजूद रहे सर्वसम्मति से व प्रदेश अध्यक्ष श्री अनिल कुमार सिंह जी की जानकारी में शुक्लागंज से अश्वनी गौतम पत्रकार इंडिया न्यूज के संवाददाता को पत्रकार सुरक्षा महासमिति में शुक्लागंज युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष नगर मनोनीत किया गया।

अज्ञात चोरो ने दिया घटना को दिया अंजाम,दुकान के शटर को काटकर लाखों के सामान की चोरी

अवध की आवाज ब्यूरो कृष्ण कुमार

अमरगंज अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र के अमरगंज बाजार डबल नहर के पास में बीते मंगलवार मध्य रात्रि को कपड़े की दूकान पर चोरों ने शटरलॉक कटर मशीन से काटकर लाखों के सामान उठा ले गए। व्यवसायी के अनुसार जब लोगों के द्वारा उसे दूरभाष के माध्यम से सूचना मिली तो वह घर से भाग कर आया और देखा तो उसके होश उड़ गए उसके दुकान सलीम वस्त्रालय अमरगंज में शटरलॉक को कटर मशीन से काट करके चोरों ने लगभग पांच लाख कीमत के कपड़े व कॉस्मेटिक का सामान चोर उठा ले गए । पीड़ित व्यवसाई ने इसकी सूचना खंडासा थाने में लिखित तहरीर के माध्यम से दी है । इस तरह की चोरी को देखकर क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। जब इस प्रकरण में खंडासा

थाना अध्यक्ष से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि तहरीर मिली है पुलिस छानबीन में जुट गई है जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

सपा-बसपा की जातिवादी सरकारें उप्र का नहीं कर सकतीं विकास: अमित शाह

अलीगढ़ में कल्याण सिंह को नमन करते हुए विपक्ष पर बरसे अमित शाह

अलीगढ़/लखनऊ, (वेब वार्ता)। केन्द्रीय गशहमंत्री एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने बुधवार को अलीगढ़ में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जातिवादी सरकारें उत्तर प्रदेश का भला नहीं कर सकतीं। डबल इंजन की सरकार ने पांच वर्ष में प्रदेश की तस्वीर बदलने का काम किया है। हर गरीब के घर में शोचालय, हर गरीब के घर में बिजली और हर गरीब महिला के घर में गैस चूल्हा पहुंचा है। गरीबों को मकान मिला है। डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश का चहुंमुखी विकास किया है। शाह ने कहा कि बुआ और बबुआ की सरकार में यह संभव था क्या? अलीगढ़ के अतरौली विधानसभा क्षेत्र में रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने स्वर्गीय कल्याण सिंह, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह, कवि गोपालदास नीरज और अशोक सिंघल जैसी महान विभूतियों को नमन करते हुए जनता से भाजपा के लिए समर्थन की अपील की। अतरौली से कल्याण सिंह के पोते संदीप सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि सबको टीका लगा है। किसी को एक रुपये भी नहीं देने पड़े हैं। देश के 130 करोड़ लोगों को टीका देकर मोदी सरकार ने सुरक्षा दी है। अखिलेश यादव का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि उप्र में कुछ लोग टीका लगाने से मना कर रहे थे। लोगों को भ्रम में डाल रहे थे। हालांकि बाद में उन्होंने भी टीका लगावाया है। आज टीका कवर प्राप्त करने की वजह से ही तीसरी लहर परास्त हो रही है। हम उससे सुरक्षित हैं।

शाह ने रैली में मौजूद जनसमूह से कहा कि आप मुझे बताइए कि अखिलेश और बहनजी की सरकार थी, तब गुंडे परेशान करते थे या नहीं? पहले पुलिस गुंडों से डरती थी। आज पूरे उप्र में माफिया ढूंढना है तो तीन ही जगह मिलते हैं। एक तो जेल में, दूसरे उप्र की सीमा के बाहर और तीसरी जगह सपा प्रत्याशियों की सूची में। मुख्यमंत्री योगी ने कानून व्यवस्था का राज कायम किया है। प्रदेश में लूट, हत्या, डकैती, अपहरण में भारी गिरावट आयी है।

केंद्रीय गशहमंत्री शाह ने कहा कि अखिलेश संसद में खड़े होकर अनुच्छेद 370 समाप्त किये जाने का विरोध करते थे। अखिलेश कहते थे कि खून की नदिया बहेंगी। अखिलेश बाबू खून की नदियां तो छोड़िए एक कंकर भी नहीं फेका गया। नदियां बहाने वालों को पता है कि देश में मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी की सरकार नहीं है। आज नरेन्द्र मोदी की सरकार है। शाह ने कहा कि वैसे तो अतरौली में अखिलेश की आने की उनकी हिम्मत नहीं है। यदि वह यहां आते हैं तो अतरौली की जनता उनसे जरूर पूछे कि वह 370 का विरोध क्यों कर रहे थे।

अमित शाह ने स्थानीय उद्योग को समाप्त करने का भी विपक्ष पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि देश के कोने–कोने में लोग अलीगढ़ का ताला पसंद करते हैं। सपा बसपा की सरकार ने अलीगढ़ में ताले की फैक्टरी में ताला लगा दिया था। हमने ताला उद्योग का फिर से चलाने का वादा किया था। आज ताला उद्योग चल निकला है। शाह ने राहुल गांधी पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी आलू की फैक्टरी लगाने की बात कर रहे हैं। जिन्हें यह पता नहीं कि आलू फैक्टरी में लगेगा या खेत में, वह किसान की समस्या दूर करने निकले हैं।

अमित शाह ने कहा कि जब मैं 2013 में महामंत्री बनकर उत्तर प्रदेश आया तब बाबू जी के घर गया। अपने बच्चे की तरह उन्होंने मुझे उप्र की राजनीति सिखायी। आज उसी के आधार पर तीन–तीन सरकार बनी। जब राम मंदिर और मुख्यमंत्री की कुर्सी में से एक को चुनना था तब बाबू जी ने राम जन्मभूमि को चुना। उनकी आत्मा को शांति मिली होगी। उनके जीते–जी प्रधानमंत्री मोदी ने राम मंदिर का शिलान्यास किया। भव्य राम मंदिर निर्माण हो रहा है। इस मौके पर केंद्रीय राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल, सांसद राजवीर सिंह, सतीश गौतम समेत पार्टी के अन्य नेता मौजूद रहे।

शातिर चौन लुटेरा गिरफ्तार, 01 सोने की चौन बरामद

उन्नाव। थाना गंगाघाट, जनपद उन्नाव पुलिस अधीक्षक महोदय के कुशल निर्देशन एंव अपर पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना गंगाघाट पुलिस द्वारा जनता के सहयोग से शातिर चौन लुटेरे को गिरफ्तार किया गया तथा एक सोने की चौन वजन करीब 15 ग्राम बरामद की गई।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।